No. of Printed Pages : **4**

AED-1

02345

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

June, 2014

(APPLICATION ORIENTED COURSE)

AED-1 : EXPORT PROCEDURES AND DOCUMENTATION

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Weightage : 70%

Note : *Answer **any four** questions, including question no. 7 which is **compulsory**.*

---

1. What are the salient features of India's Export Import Policy 1997-2002 ? Suggest necessary changes in the policy to restore equilibrium in the country's balance of payments. **8+4**

2. Discuss the role of Export Credit and Guarantee Corporation of India (ECGC) in promoting exports from India. Illustrate your answer with some of the ECGC schemes. **12**

3. Discuss the significance of quality control and preshipment inspection in exports. What are the different systems of preshipment inspection and give a detailed account of procedures involved in any one of them. **6+6**

4. What are the various methods permitted under RBI regulations for realising export proceeds ? Which in your opinion is safest from exporter's view point and why ? 7+5

5. Give a detailed description of procedure involved along with related documentation for seeking custom's clearance of export cargo. 12

6. Write an explanatory note on financing of exports under deferred payment highlighting the role of Export Import Bank of India. 12

7. Write short notes on **any two** of the following : 7+7
   (a) Procedure for exports under claim for Excise duty Refund/Rebate
   (b) Post shipment finance for exports
   (c) Procedure for exports by air
   (d) Duty draw back scheme

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

सत्रांत परीक्षा

जून, 2014

(व्यवहारमूलक पाठ्यक्रम)

ए.ई.डी.-1 : निर्यात प्रक्रिया व प्रलेखीकरण

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

कुल का : 70%

नोट : ***किन्हीं चार*** *प्रश्नों के उत्तर लिखिए जिनमें प्रश्न संख्या 7 शामिल है जो कि* ***अनिवार्य*** *है।*

1. निर्यात-आयात नीति 1997-2002 की मुख्य विशेषताएं क्या हैं? देश के भुगतान शेष का पुन:स्थापन करने हेतु इस नीति में आवश्यक परिवर्तनों के सुझाव दीजिए। **8+4**

2. भारतीय निर्यात के प्रोत्साहन हेतु निर्यात ऋण गारंटी निगम (ECGC) की भूमिका का विवेचन कीजिए। इस संदर्भ में ECGC की कुछ योजनाओं के उदाहरण दीजिए। **12**

3. निर्यात व्यवसाय में गुणवत्ता नियंत्रण तथा पोत लडान पूर्व निरीक्षण के महत्त्व की व्याख्या कीजिए। पोत लदानपूर्व निरीक्षण की विभिन्न प्रणालियों का उल्लेख कीजिए तथा इन में से किसी एक प्रणाली में निहित कार्यविधि का विस्तृत वर्णन दीजिए। **6+6**

4. निर्यात माल की विक्रय राशि की वसूली के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के विनियमों के अंतर्गत क्या विभिन्न विधियां उपलब्ध हैं ? निर्यातकर्त्ताओं के दृष्टि से, आप की राय में इन में से कौन सी विधि सुरक्षतम है एवं क्यों ? 7+5

5. निर्यात माल के लिए सीमा शुल्क निपटान संबंधी कार्यविधि का विस्तृत वर्णन कीजिए तथा इस संदर्भ में प्रलेखीय आवश्यकताओं का भी उल्लेख कीजिए। 12

6. आस्थगित भुगतान के अंतर्गत निर्यात के वित्तीयन की विधि जिसमें निर्यात-आयात (EXIM) बैंक की भूमिका भी शामिल हो, पर एक व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए। 12

7. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणीयां लिखिए : 7+7
   (a) उत्पाद शुल्क वापसी/छूट के लिए दावे के अंतर्गत निर्यात का कार्यविधि
   (b) निर्यात के लिए पोत-लदानोतर वित्त
   (c) वायुमार्ग से निर्यात की कार्यविधि
   (d) शुल्क वापसी योजना